विषय हिंदी। **कक्षा ग्यारहवीं** **समय: 35 मिनट**

प्रकरण- ईदगाह(मुंशी प्रेमचंद)

<u>अधिगम प्रतिफल</u>

1. ज्ञानात्मक

- भाषा संबंधी ज्ञान प्राप्त करना।
- गद्य के मूलभावों को समझना।

अपेक्षितव्यवहार

- छात्र मुंशी प्रेमचन्द द्वारा रचित कहानी संबंधी भाषा तत्वों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- कहानी से संबंधित भाषा तत्वों का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
- ईदगाह कहानी के शब्दों का शुदधोच्चारण कर सकेंगे,

2. अवबोधात्मक :-

- भाषा संबंधी तत्वों का अवबोध प्राप्त करना।
- वर्तनी एवं शुद्ध शब्दों का अवबोध करना

अपेक्षितव्यवहार

- छात्र मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित ईदगाह कहानी का आदर्श वाचन सुनकर कहानी के मुख्य भाग को समझ सकेंगे।
- ईदगाह कहानी को ध्यान पूर्वक सुनेंगे।
- छात्र मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित ईदगाह कहानी की वस्तु की तुलना अन्य कहानियों के साथ कर सकेंगे।

3. अभिव्यात्मक

- विषय की अभिव्यक्ति प्रदर्शित करना ।
- विषय वस्तु के उपयोग की अभिव्यक्ति करना।
- ईदगाह कहानी का प्रस्तुतीकरण करने में सक्षम हो सकेंगे।
- विषयवस्तु के महत्व को जान सकेंगे।

4 कौशलात्मक

- कौशलों का निर्माण करना।
- विषय या विद्या के अनुसार भाषा ग्रहण करना ।
- ईदगाह कहानी की विषयवस्तु को उचित यति- गति,आरोह-अवरोह पूर्वक शुद्ध उच्चारण कर सकेंगे।
- ईदगाह कहानी पढ़कर अन्य कहानी लिखने में सक्षम हो सकेंगे।

5. अभिरूच्यात्यक

- विषय के मूल भाव के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
- विषय वस्तु के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
- ईदगाह कहानी को पढ़ने में रुचि विकसित कर सकेंगे।
- कहानी को जानने के प्रति रूचि उत्पन् होगी।
- हिन्दी साहित्य को पढ़ने में साथ ले सकेंगे।

6. अभिवृत्यात्मक

- छात्र विषय के प्रति सकारात्मक भाव रखते हैं ।
- विषय को प्रयोग एवं शब्दों की तुलना करना।
- ईदगाह कहानी की महता जान कर सकारात्मक दृष्टिकोण व सकारात्मक अभिवृति विकसित कर सकेंगे।

<u>अधिगम संसाधन :</u>- चाक, बोर्ड, शिक्षा विभागद्वारा निर्धारित पुस्तक, चार्ट, चित्र, संकेतक आदि ।

<u>पूर्वज्ञान कल्पना :-</u>

छात्र मुंशी प्रेमचंद दुवारा रचित ईदगाह कहानी के बारे में सामान्य जानकारी रखते है।

अध्यापकक्रिया:-	**छात्रक्रिया:-**
प्रस्तावनाप्रश्न 1. अनेकता में एकता किस देश में है? 2. भारत में कौन-कौन से धर्म हैं ? 3. मुस्लिम धर्म का प्रसिद्ध त्यौहार कौन सा है? 4. ईद पर लोग क्या करते हैं? 5. क्या आपने मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित कहानी ईदगाह पढ़ी है	1. भारत 2. हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध। 3. ईद 4. ईदगाह में जाकर नमाज पढ़ते हैं। समस्यात्मक

<u>उद्देश्यकथन :-</u> हाँ तो बच्चों आज हम मुशी प्रेमचंद द्वारा रचित ईदगाह "कहानी पढ़ेंगें ।

लेखक परिचय:-

प्रेमचंद

प्रेम का जन्म वाराणसी जिले के सही ग्राम में हुआ था। उनका मूल नाम धनपतराय था। प्रेमचंद की प्रारंभिक शिक्षा वाराणसी में हुई। मैट्रिक के बाद से अध्यापन करने लगे। स्वाध्याय के रूप में ही उन्होंने बी.ए. तक शिक्षा ग्रहण की। असहयोग आंदोलन के दौरान उन्होंने सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया और पूरी तरह लेखन कार्य के प्रति समर्पित हो गए।

प्रेमचंद ने अपने लेखन की शुरुआत पहले उर्दू में वावराय के नाम से की, बाद में हिंदी में लिखने लगे। उन्होंने अपने साहित्य में किसानों, दलितों नारियों की वेदना और वर्ण व्यवस्था की कुरीतियों का मार्मिक चित्रण किया। है। वे साहित्य को स्वतः सुखाय न मानकर सामाजिक परिवर्तन का एक सशक्त माध्यम मानते थे वे एक ऐसे साहित्यकार थे, जो समाज की वास्तविक स्थिति को पैनी दृष्टि से देखने की शक्ति रखते थे। उन्होंने समाज-सुधार और राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत अनेक उपन्यासों एवं कहानियाँ की रचना की। कथा संगठन, चरित्र चित्रण, कथोपकथन आदि की दृष्टि से उनकी रचनाएँ बेजोड़ हैं। उनकी भाषा बहुत सजीव, मुहावरेदार और बोलचाल के निकट है। हिंदी भाषा को लोकप्रिय बनाने में उनका विशेष योगदान है। संस्कृत के प्रचलित शब्दों के साथ-साथ उर्दू की रवानी इसकी विशेषता है, जिसने हिंदी कथा भाषा को नया आयाम दिया।

उनकी प्रमुख कृतियाँ हैं - मानसरोवर (आठ भाग), गुप्तधन (दो भाग) (कहानी संग्रह); निर्मला, सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, कर्मभूमि, गबन, गोदान (उपन्यास); कर्बला, संग्राम, प्रेम की वेदी (नाटक); विविध प्रसंग (दो खंडों में, साहित्यिक और राजनीतिक निबंधों का संग्रह); कुछ विचार, उन्होंने माधुरी हंस मर्यादा जागरण आदि पत्रिकाओं का भी संपादन किया था। इस पाठ्यक्रम में उनके ईदगाह कहानी दी गई है।

	अध्यापकक्रिया:-	**छात्रक्रिया**:-	**श्यामपट्ट कार्य**	**मूल्यांकन** :-
आदर्श वाचन	अध्यापक द्वारा ईदगाह कहानी का आदर्श वाचन किया जाएगा। अध्यापक के द्वारा छात्रों को अनुकरण वचन करने का निर्देश दिया जाएगा। **अध्यापक द्वारा आदर्श वाचन करते हुए पाठ की व्याख्या करवाई जाएगी और पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ बताए जाएंगे। बीच-बीच में अध्यापक के द्वारा प्रश्न पूछे जाएंगे।** **ईदगाह** रमजान के पूरे तीस रोजों के बाद ईद आई है। कितना मनोहर, कितना सुहावना प्रभात है। वृक्षों पर कुछ अजीब हरियाली है, खेतों में कुछ अजीब रौनक है, आसमान पर कुछ अजीब लालिमा है। आज का सूर्य देखो, कितना प्यारा, कितना शीतल है मानो संसार को ईद को	अध्यापक द्वारा किए गए आदर्श वाचन को ध्यानपूर्वक सुनेंगे व वह अध्यापक के	शब्दार्थ :	**बोधप्रश्न**

अनुकरण वाचन	बधाई दे रहा है। गाँव में कितनी हलचल है। ईदगाह जाने की तैयारियाँ हो रही हैं। किसी के कुरते में बटन नहीं है. पड़ोस के घर से सुई-तागा लेने दौड़ा जा रहा है। किसी के जूते कड़े हो गए हैं, उनमें तेल डालने के लिए तेली के घर भागा जाता है। जल्दी-जल्दी बैलों को सानी-पानी दे दें। ईदगाह से लौटते-लौटते दोपहर हो जाएगा। तीन कोस का पैदल रास्ता, फिर सैकड़ों आदमियों से मिलना-भेंटना, दोपहर के पहले लौटना असंभव है। लड़के सबसे ज्यादा प्रसन्न हैं। किसी ने एक रोजा रखा है, वह भी दोपहर तक किसी ने वह भी नहीं; लेकिन ईदगाह जाने की खुशी उनके हिस्से की चीज है। रोजे बड़े-बूढ़ों के लिए होंगे। इनके लिए तो इंद है। रोज ईद का नाम रटते थे आज वह आ गई। अब जल्दी पड़ी है कि लोग ईदगाह क्यों नहीं चलते। इन्हें गृहस्थी की चिंताओं से क्या प्रयोजन! सेवैयों के लिए दूध और शक्कर घर में है या नहीं, इनकी बला से, ये तो सेवैयों खाएंगे। वह क्या जानें कि अब्बाजान क्यों बदहवास चौधरी कायमअली के घर दौड़े जा रहे हैं। उन्हें क्या खबर कि चौधरी आज आँखें बदल ले, तो यह सारी ईद मुहर्रम हो जाए। उनकी अपनी जेबों में तो कुबेर का धन भरा हुआ है। बार-बार जेब से अपना खजाना निकालकर गिनते हैं और खुशहोकर फिर रखते हैं। महमूद गिनता है, एक-दो दस-बारह उसके पास बारह पैसे है। मोहसिन के पास एक दो तीन आठ, नी. पंद्रह पैसे है। इन्हीं अनगिनता में अनगिनती चीजें लाएँगे खिलौने, मिठाइयाँ बिगुल, गेंद और जाने क्या-क्या! और सबसे ज्यादा प्रसन्न है हामिद वह चार-पांच साल का गरीब-सूरत, दुबला-पतला लड़का, जिसका बाप गत वर्ष हैसे की भेंट हो गया और माँ न जाने क्यों पीली होती होती एक दिन मर गई। किसी को पता न चला, क्या बीमारी है। कहती तो और सुनने वाला था। दिल पर जो कुछ बीतती थी, वह दिल में ही सहती थी और जब न सहा गया तो संसार से विदा हो गई। अब हामिद अपनी बूढ़ी दादी अमीना की गोद में सोता है और उतना ही प्रसन्न है। उसके अब्बाजान रुपये कमाने गए हैं। बहुत-सी थैलियाँ लेकर आएँगे। अम्मीजान अल्लाह मियाँ के घर से उसके लिए बड़ी अच्छी-अच्छी चीजें लाने गईं हैं; इसलिए हामिद प्रसन्न है। आशा तो बड़ी चीज है, और फिर बच्चों को आशा! उनकी कल्पना तो राई का पर्वत बना लेती है। हामिद के पाँव में जूते नहीं हैं, सिर पर एक पुरानी-धुरानो टोपी है, जिसका गोटा काला पड़ गया है, फिर भी वह प्रसन्न है। जब उसके अब्बाजान थैलियाँ और अम्मीजान नियामतें लेकर आएँगी, तो वह दिल के अरमान निकाल लेगा। तब देखेगा महमूद, मोहसिन, नरे और सम्मी कहाँ से उतने पैसे निकालेंगे। अभागिन अमीना अपनी कोठरी में बैठी से रही है। आज ईद का दिन और उसके घर में दाना नहीं! आज आबिद होता तो क्या इसी तरह इंद आती और चली जाती। इस अंधकार और निराशा में वह डूबी जा रही है। किसने बुलाया था इस निगोड़ी ईद को? इस घर में उसका काम नहीं; लेकिन हामिद! उसे किसी के मरने-जीने से क्या मतलब? उसके अंदर प्रकाश है, बाहर आशा विपत्ति अपना सारा दलबल लेकर आए. हामिद की आनंद भरी चितवन उसका विध्वंस कर देगी। **सारांशकथन-** रमजान का महीना है मौसम बड़ा सुहाना है चारों तरफ हरियाली फैली हुई है। सभी एक दूसरे को बधाई दे रहे हैं। बच्चे अपने आस-पड़ोस में घूम रहे हैं। सब अपने नए नए कपड़े एक दूसरे को दिखा रहे हैं। कोई अपने जूते दिखा रहा है, तो कोई अपने पैसे गिन रहा है, इस तरह से मेले में जाने की तैयारियां कर रहे हैं सभी बच्चे अनगिनत चीजों के नाम गिनवा रहे हैं कि मैं यह चीज लेकर आऊंगा मैं यह चीज लेकर आऊंगा और इस तरह से बड़े उल्लास के साथ है रमजान के महीने में ईदगाह मेले में जाने की तैयारियां हो रही हैं।	निर्देशानुसार पाठ का सस्वर वाचन करेंगे छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे। छात्र ध्यानपूर्वक सुनते हुए कठिन शब्दों को अपनी अभ्यास पुस्तिका मेंलिखेंगे। छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे अध्यापक द्वारा करवाए गए श्यामपट्ट कार्य को अपने अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे ।	**बला**-कष्ट, आपत्ति, बहुत कष्ट देनेवाली वस्तु **बदहवास**-घबराना, होशहवास ठीक न होना **निगोड़ी**-अभागी, निराश्रय, जिसका कोई न हो **चितवन-** किसी को ओर देखने का ढंग, दृष्टि, कटाक्ष रमज़ान-अरबी वर्ष का नौवां महीना या रोजा का महीना। सेवइयां-एक तरह की खीर बनाने का खाद्य पदार्थ	**ईद कौन से महीने में आती है?** **रमजान के पूरे 30 रोजों के** बाद। बच्चे कहां जाने की तैयारियां कर रहे हैं? मेले में हामिद के दादी का क्या नाम है? अमीना

मौन वाचन

गृहकार्य:-

1.प्रेमचंद का बचपन का नाम क्या था?

2. बच्चे कहां जाने की तैयारी कर रहे थे?

3. हामिद किसके साथ रहता था?